



एक्सप्रेस-वे लोकार्पण



सबसे लंबे एक्सप्रेस वे का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरदोई में बुधवार को रिमोट से बटन दबाकर गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण किया। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश सरकार, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय चौधरी, मंत्री मिलित प्रसाद और सुरेश खन्ना भी मंच पर मौजूद रहे।

गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे 12 औद्योगिक नोड्स विकसित किए जा रहे, जिनके लिए 6,507 एकड़ भूमि चिह्नित की गई

उद्यमियों के साथ बदलेगी 519 गांवों की किस्मत

उपलब्धि

लखनऊ/हरदोई, हिंदी गंगा एक्सप्रेसवे की शुरुआत होने के साथ ही प्रदेश में बढ़ रहे औद्योगिक विकास की धारा और तेज होने की उम्मीद जागी है। यूपी के सबसे लंबे इस एक्सप्रेसवे के किनारे 12 औद्योगिक नोड्स विकसित किए जा रहे हैं, जिनके लिए 6,507 एकड़ भूमि चिह्नित की गई है। यह कदम आने वाले समय में इस क्षेत्र को इंडोस्ट्रियल मैनुफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (आईएमएलसी) के रूप में स्थापित करेगा। यहाँ बनेंगे कि उद्यमियों के साथ-साथ गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़े 12 जिलों के 519 गांवों की किस्मत भी बदलने की आशा बलवती हुई है।

उद्यम यहां के युवाओं-महिलाओं के लिए रोजगार व स्वरोजगार के नए अवसर जन्म दिलाएंगे। उन्नत एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सामने अब इस क्षेत्र में 987 निवेश प्रस्तावों के तहत लगभग ₹47 हजार करोड़ रुपये के निवेश लक्ष्य को धरातल पर उतारने की चुनौती है। आईएमएलसी योजना के तहत गंगा एक्सप्रेसवे कारिडोर से जुड़े सभी 12 जिलों में 12 नोड्स बनाए गए हैं। इनमें मैनुफैक्चरिंग युनिट्स, लॉजिस्टिक्स पार्क, वैयरहाउसिंग, ई-कॉमर्स सप्लाय चेन से जुड़े प्रस्ताव अधिक हैं।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री भी देखी, सीएम रहे मौजूद।

- बुन्देलखंड - जेवर लिंक नोड इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास है। जिला एक प्रमुख सड़क केन और लॉजिस्टिक्स हब बनेगा। **नोड्स: 2798 एकड़**
- बदायूं - विशाल इंडस्ट्रियल टाउनशिप जिते की तस्वीर बदलेगी। तेज कनेक्टिविटी उद्योग, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों में निजी निवेश को बेसी देगी। **नोड्स: 269 एकड़**
- मेरठ - बिजौली गांव दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जुड़ा है। इससे मेरठ डाटा सेंटर, वैयरहाउसिंग और स्पोर्ट्स गृह्स इंडस्ट्री के बड़े हब के रूप में विकसित होगा। **नोड्स: 529 एकड़**
- हापड़ - हापड़ में एक्सप्रेसवे गडमुक्तेश्वर (ब्रजवाट) को सीधे जोड़ता है, धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी। विशेष इंटरेक्टिव विक्रीसा इए. फोर्टों को आवाजही आसने हो। **नोड्स: 304 एकड़**
- उन्नाव - उन्नाव लखनऊ और कानपुर के साथ एक सरलतः ट्राई-सिटी इकोनॉमिक मोडल के रूप में उभर रहा है। केवल कनेक्टिविटी से लेकर उद्योग को लाभ। **नोड्स: 333 एकड़**
- अमरौली - हरदोई के लिए पहचान रखने वाले अमरौली के कारखानों को गति मिलेगी। उद्यम सीधे बड़े शहरों और अंतर्राष्ट्रीय निर्यात घेनलों तक पहुंचे। **नोड्स: 348 एकड़**
- संभल - संभल के हार्न और बोन क्वार्टर को लॉजिस्टिक्स और केवल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क का सहयोग। उत्पादों को नए बाजार मिलेंगे। **नोड्स: 591 एकड़**



देश में सर्वाधिक एक्सप्रेसवे वाला राज्य यूपी, सात शुरु

लखनऊ, विशेष संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हरदोई में 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करने के साथ ही यूपी देश में सबसे अधिक सात एक्सप्रेसवे संचालित करने वाला राज्य बन गया है। यूपी में सभी सात एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 1911 किलोमीटर हो गई है। देश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क का अब 60 प्रतिशत नेटवर्क यूपी में संचालित है। गंगा एक्सप्रेसवे पर 3.5 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी भी तैयार की गई है, जिस पर चांदपुर सेना के लड़ाकू विमान भी आगत लैंडिंग कर सकेंगे।

1191 किलोमीटर की कुल लंबाई है सभी सात एक्सप्रेसवे की

हरिद्वार व जेवर एयरपोर्ट से जोड़ा जाएगा

गंगा एक्सप्रेसवे को भविष्य में हरिद्वार और जेवर एयरपोर्ट से जोड़े जाने की योजना प्रस्तावित है। प्रदेश में नए प्रस्तावित एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण का काम शुरू हो गया है। नए प्रस्तावित एक्सप्रेसवे से कई जिलों की तस्वीर बदलेगी। आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी।

प्रदेश के संचालित सात एक्सप्रेसवे

1. आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे - छह लेन - यूपीडा - 302 किमी - 144.46 करोड़ रुपये - आगरा, बिजौलीबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, कानौन, कानपुर नगर, उन्नाव, हरदोई व लखनऊ।
2. प्रोचल एक्सप्रेसवे - छह लेन - यूपीडा - 341 किमी - 233.49.37 करोड़ रुपये - लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानगढ़, अखोटा, अंबेडकरनगर, आजमाद, मऊ व गौरीपुर।
3. कुलखंड एक्सप्रेसवे - चार लेन - यूपीडा - 296 किमी - 148.49.09 करोड़ रुपये - चिक्कूट, बादा, मशौदा, जालौन, औरैया व इटावा।
4. गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे - चार लेन - यूपीडा - 91 किमी - 72.83.28 करोड़ रुपये - गोरखपुर, संतकबीरनगर, अंबेडकरनगर व आजमाद।
5. मेरठ-दिल्ली एक्सप्रेसवे - 14 लेन - एनएचआई - 96 किमी - 8.400 करोड़ रुपये - निजामुद्दीन, खन्ना, हापड़ व मेरठ।
6. यमुना एक्सप्रेसवे - छह लेन - सीटा - 166 किमी - 128.39 पशे चौक (हैट नोड्स), जेवर, मुंदावन, मधुवा व आगरा।
7. गंगा एक्सप्रेसवे - छह लेन - यूपीडा - 594 किमी - 362.30 करोड़ रुपये - मेरठ, हापड़, बुन्देलखंड, अमरौली, संभल, बदायूं, शहजहापुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ व प्रयागराज।

यूपीडा द्वारा आठ प्रक्रियाधीन/प्रस्तावित एक्सप्रेसवे

एक्सप्रेसवे -	यातायात लेन	निर्माण संस्था	लंबाई (किमी में)
चिक्कूट लिंक एक्सप्रेसवे	चार लेन	यूपीडा	15.17
लखनऊ लिंक एक्सप्रेसवे (आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से प्रोचल एक्सप्रेसवे तक)	छह लेन	यूपीडा	49.96
फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे (गंगा एक्सप्रेसवे से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे तक)	छह लेन	यूपीडा	90.84
जेवर लिंक एक्सप्रेसवे (यमुना एक्सप्रेसवे से गंगा एक्सप्रेसवे तक कुंदगढ़)	छह लेन	यूपीडा	74.30
झांसी लिंक एक्सप्रेसवे	छह लेन	यूपीडा	118
विष्णु एक्सप्रेसवे	छह लेन	यूपीडा	277
विष्णु प्रोचलन लिंक एक्सप्रेसवे	छह लेन	यूपीडा	107
मेरठ-हरिद्वार लिंक एक्सप्रेसवे	छह लेन	यूपीडा	130.14

इनके अलावा नोएडा-मेरठ नोड्स एक्सप्रेसवे संचालित है। छह लेन के इस एक्सप्रेसवे का निर्माण मेरठ नोड्स इंटरनैशनल डेवलपमेंट ऑथोरिटी ने लगभग 400 करोड़ रुपये की लागत से कराया है, जिसकी लंबाई 25 किलोमीटर है।